आशा तिग्गा
प्रखंड : मनोहरपुर
जिला : प सिंहभूम

कैटरिंग ग्रुप के जरिये दीदियों ने बनायी पहचान

पश्चिमी सिंहभूम जिले के मनोहरपुर प्रखंड के तिरला गांव की दीदियों ने अपने दम पर अपनी अलग पहचान बनायी है. आज इलाके में उनकी अपनी पहचान है. अन्नपूर्णा कैटरिंग ग्रुप के नाम से दीदियों ने इलाके में अपनी पहचान बनायी है. सफलता की इस कहानी की शुरुआत साल 2014 में हुई, जब गांव में एमइसी ग्रुप के माध्यम से कैटरिंग ग्रुप का चुनाव हुआ. चुनाव में अलग-अलग समूह की दीदियां शामिल हुईं, जिसमें से अलग-अलग समूह की 10 दीदियां मिल कर एक समूह बनायीं और अन्नपूर्णा कैटरिंग ग्रुप का नाम दिया. पहले ये दीदियां अपने घरों में खाना बनाती थीं. विभिन्न आयोजनों में भी वो खाना बनाती थीं, लेकिन इनकी पहचान नहीं बनी थी. इसके बाद दीदियों को जेएसएलपीएस की ओर से मौका मिला. जेएसएलपीएस की ओर से जब भी प्रखंड में कोई प्रशिक्षण का कार्यक्रम होता था, तो दीदियां वहां खाना बनाने का काम करती थीं. दीदियों को जब भी कोई ऑर्डर मिलता है, वो बैठ कर चर्चा करती हैं कि मेन्यू में क्या बनाना है, वेज या नॉनवेज खाने के लिए कितना पैसा लेना है आदि. बैठक में तय किये गये मेन्यू और खर्च के हिसाब से बिल ऑफिस में जमा करती हैं और उसी हिसाब से उन्हें राशि मिल जाती है. इस तरह काम करते-करते दीदियों के पास तीन लाख की राशि जमा हो गयी. उन पैसों से दीदियों ने अपने लिए कैटरिंग का पूरा सामान खरीद लिया. दीदियां खुद से सामानों की खरीदारी करती हैं और पूरे लेन-देन का हिसाब रखती हैं. वर्ष 2016 में अन्नपूर्णा समूह की दीदियों को तीन दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया, जिसमें दीदियों को साफ-सफाई, खाना बनाने के तरीके और बिल बनाने की जानकारी दी गयी. इस तरह दीदियों का यह समूह इलाके में आज अपनी पहचान बना चुका है.

अपने स्टॉल के साथ अन्नपूर्णा कैटरिंग ग्रुप की दीदियां.

सुनीता देवी
प्रखंड : कांके
जिला : रांची

मछली पालन से पुष्पा की बदली जिंदगी

रांची जिले के कांके प्रखंड के सिद्दी गांव की पुष्पा देवी आज मछली पालन कर अपने परिवार को गरीबी से बाहर निकाल चुकी हैं. पहले की अपेक्षा अब आर्थिक स्थिति बेहतर होने के कारण पुष्पा अपने बच्चों की परवरिश ठीक ढंग से कर रही हैं, हालांकि ऐसी स्थिति पहले नहीं थी. पुष्पा के पति मजदूरी करते थे. घर की माली हालत ठीक नहीं थी. घर में किसी के बीमार पड़ जाने पर इलाज के लिए पैसे तक नहीं होते थे. पुष्पा देवी का जीवन यापन किसी तरह से चल रहा था. इसी बीच वर्ष 2016 में जेएसएलपीएस के द्वारा समूह के गठन की जानकारी पुष्पा को मिली. समूह के बारे में पूरी जानकारी मिलने के बाद पुष्पा देवी गांव में ही संचालित रोशनी सखी मंडल से जुड़ीं और आज वह इस मंडल की अध्यक्ष हैं. समूह से जुड़ने और हर गतिविधियों में सक्रिय रहने लगीं. निरंतर बैठकों में जाना और बचत के तरीके सीखने पर ज्यादा जोर दिया. इसी दौरान पुष्पा ने समूह से घर खर्च के लिए 500 रुपये का लोन लिया. फिर बच्चे के इलाज के लिए 2000 रुपये का लोन लिया. इसके बाद पुष्पा देवी ने सोचा कि लोन लेकर खुद से कुछ करना चाहिए और फिर उन्होंने मछली पालन करने को लेकर विचार किया. मनरेगा के तहत उन्होंने अपने खेत में एक तालाब का निर्माण करवाया. सखी मंडल से दस हजार रुपये का तीसरा लोन लेकर अपने तालाब में मछली पालन की शुरुआत की. इस दौरान पुष्पा देवी द्वारा तालाब में छोटी मछलियां डाली गयीं और उन्होंने उसकी देखरेख शुरू कर दी. मत्स्य पालन को पुष्पा ने आजीविका के तौर पर अपनाया. सही देखरेख और विशेषज्ञों के निर्देशन में पुष्पा ने मत्स्य पालन में मुनाफा कमाना शुरू किया और इसी के साथ वो धीरे-धीरे लोन भी चुकता करती रहीं. लोन चुकाने के बाद मशीन खरीदने के लिए पुष्पा देवी ने फिर से समूह से दस हजार रुपये का लोन लिया और तालाब सूखने की स्थिति में मशीन के जरिये कुआं से तालाब में पानी डालती रहीं, ताकि मछलियों के लिए पानी की कमी न हो. पुष्पा देवी की मेहनत रंग लायी. पुष्पा बताती हैं कि पहले वो मछली पकड़ना भी नहीं जानती थीं, पर अब खुद तालाब से मछली निकाल कर बेचती हैं. मछली पालन से पुष्पा देवी की आमदनी में काफी इजाफा हुआ है और पूरे गांव में पुष्पा देवी महिलाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत बन गयी हैं.

ग्राहकों को मछली बेचतीं सखी मंडल की सदस्य पुष्पा देवी.

नयनतारा कुमारी
प्रखंड : लेस्लीगंज
जिला : पलामू

शराबबंदी के खिलाफ सखी मंडल की मुहिम

शराब एक सामाजिक बुराई है, जिसके कारण कई घर और परिवार बर्बाद हो गये. शराब बंदी को लेकर सरकार और सामाजिक संस्थाओं के साथ-साथ अब महिलाएं भी खुल कर सामने आ रही हैं. शराब से तंग आकर पलामू जिले के लेस्लीगंज प्रखंड के कुराइनपतरा पंचायत की लगभग 25 सखी मंडल की महिलाओं ने इसके खिलाफ अभियान छेड़ दिया है. इस अभियान के तहत उन्होंने शराब की भट्टियों के साथ-साथ शराब बनाने की सामग्रियों को भी नष्ट कर दिया. महिलाओं ने शराब के कारोबरियों को चेताते हुए कहा कि जो शराब बनायेगा या बेचेगा, उसकी खैर नहीं. सखी मंडल की दीदियों ने सख्त लहजे में कहा कि चाहे पुलिस आये या नहीं, वो अपना अभियान निरंतर जारी रखेंगी. कुराइनपतरा पंचायत के सोस और कठौंधा गांव के आजीविका मिशन की महिलाएं और ग्राम संगठन की महिलाएं इस अभियान में शामिल हुईं. इन महिलाओं को कुराइनपतरा पंचायत के मुखिया बलदेव साहू का भरपूर सहयोग मिल रहा है. अपने इस अभियान के दौरान महिलाएं 30 भट्टियों में गयीं और आठ भट्टियों में बन रही शराब को नष्ट कर दिया. महिलाओं ने काफी मात्रा में महुआ को भी नष्ट किया. मुखिया बलदेव साहू ने कहा कि पहले चरण में शराब कारोबारियों को हिदायत देकर छोड़ दिया जा रहा है. इसके बाद भी अगर वो नहीं सुधरेंगे, तो कानूनी कार्रवाई की जायेगी. जो महिलाएं घर की दहलीज के बाहर कदम रखने से घबराती थीं, आज वो बेधड़क घर के बाहर निकलकर अपनी आवाज बुलंद करने लगी हैं. जेएसएलपीएस के सार्थक प्रयास का ही नतीजा है कि महिलाएं अब खुल कर सामने आ रही हैं और सामाजिक बुराइयों का विरोध कर रही हैं. गांव में हो रहे विकास कार्यों की देखरेख में भी वो अपनी महत्वपूर्ण भागीदारी निभा रही हैं. शराब के खिलाफ अभियान चला रही महिलाओं ने कहा कि पंचायत में यह अभियान जारी रहेगा.

शराब बनानेवाली सामग्रियों को नष्ट करतीं सखी मंडल की दीदियां.

प्रीति लिंडा
प्रखंड : कांके
जिला : रांची

गरीब कल्याण मेले में दीदियों को दी गयी जानकारी

रांची जिले के कांके प्रखंड में रघुवर सरकार के 1000 दिन पूरा होने पर गरीब विकास मेले का आयोजन किया गया. मेले में कांके प्रखंड के कई पंचायतों के सखी मंडल की दीदियों और बच्चों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया. कार्यक्रम में सांसद रामटहल चौधरी बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए. मुख्य अतिथि के स्वागत में दीदियों ने मांदर की थाप पर नृत्य किया और स्वागत करते हुए वो मुख्य अतिथि को मंच तक ले गयीं. इस दौरान मंच पर कांके विधायक जीतू चरण राम, पूर्व विधायक रामचंद्र बैठा और जिला परिषद सदस्य मीना देवी समेत अन्य मौजूद थे. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद रामटहल चौधरी ने राज्य सरकार की विकास योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी, साथ ही रघुवर सरकार के 1000 दिन के कार्यकाल की उपलब्धियों के बारे में बताया. विधायक जीतू चरण राम ने मेले को संबोधित करते हुए कहा कि गरीबों का कल्याण करना ही राज्य सरकार का लक्ष्य है. मेले में विभिन्न विभागों द्वारा लगाये गये स्टॉल लोगों के आकर्षण का केंद्र थे. मेले में पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, पशुपालन विभाग, कृषि विभाग, विकास भारती, उज्ज्वला योजना, कृषि यंत्र के स्टॉल और बैंकों में खाता खुलवाने संबंधित स्टॉल लगाये गये थे. मेले में आये लोग स्टॉल में जाकर विस्तार से जानकारी ले रहे थे. मेले में आयी दुबलिया गांव के सखी मंडल की दीदियों ने पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के स्टॉल में जाकर जानकारी हासिल की. यहां दीदियों को राज्य सरकार द्वारा चलाये जा रहे शौचालय निर्माण और वृक्षारोपण अभियान की जानकारी दी गयी. सखी मंडल की सदस्य रीना देवी ने कहा कि इस तरह के आयोजन से लोगों को सरकारी योजनाओं के बारे में काफी जानकारी मिलती है. गरीब मेले में पांच करोड़ से अधिक की परिसंपत्ति का वितरण किया गया.

गरीब कल्याण मेले में दीदियों से बात करते सांसद रामटहल चौधरी व विधायक जीतू चरण राम.

रूबी खातून
प्रखंड : अनगड़ा
जिला : रांची

मास्टर बुक कीपर का मिला प्रशिक्षण

रांची जिले के नामकुम प्रखंड में एक गांव है पिंडारकोण. इसी गांव के केजरीवाल संस्थान में सखी मंडल की दीदियों को मास्टर बुक कीपर का प्रशिक्षण दिया गया. प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य सखी मंडल का डाटा इकट्ठा करना है, ताकि उसे सर्वर में डाला जा सके. बता दें कि हर गांव की सखी मंडल में एक पुस्तक संचालक होती है और बेहतर पुस्तक संचालक को मास्टर बुक कीपर के तौर पर चुना जाता है. इन मास्टर बुक कीपर को जेएसएलपीएस के द्वारा प्रशिक्षण दिया जाता है. नगड़ी ब्लॉक के मास्टर बुक कीपर की दीदियों को ट्रेनिंग में सबसे पहले वृत पंजिका से हट कर जेएसएलपीएस के द्वारा ट्रेनिंग दी गयी. जिसमें जेएसएलपीएस के द्वारा संचालित सामाजिक गतिविधियों की जानकारी दीदियों को दी गयी, साथ ही दीदियों को जेएसएलपीएस का उद्देश्य, योजनाएं समेत अन्य जानकारियां दी गयीं. इस दौरान दीदियों को समूह के बेहतर संचालन की भी जानकारी दी गयी. नगड़ी ब्लॉक की मास्टर बुक कीपर को वृत पंजिका सीट, उसके कार्य, मास्टर बुक कीपर के कार्य, हर बैठक का लेखा- जोखा की कॉपी ब्लॉक तक पहुंचाने संबंधित बातों की जानकारी दी गयी. मास्टर बुक कीपर की ट्रेनिंग के दौरान दीदियों को बताया गया कि वो किस तरीके के लेने-देन का हिसाब-किताब कर सकती हैं और रजिस्टर में दर्ज कर सकती हैं. दीदियों को बताया गया कि रजिस्टर का एक शीट एक सप्ताह का होता है और प्रत्येक शीट के लिए मास्टर बुक कीपर को 20 रुपये मानदेय के तौर पर दिये जाते हैं. दीदियों को जानकारी दी गयी कि किस तरीके से सखी मंडल की दीदियों को जेएसएलपीएस की ओर से 15000 रुपये की आर्थिक सहायता दी जाती है और इस लाभ को लेने के लिए दीदियों को किस तरीके से काम करना चाहिए, साथ ही सामुदायिक निवेश कोष के तहत सखी मंडल को 50 हजार रुपये के लोन का इस्तेमाल करने के तरीके के बारे में बताया गया. नगड़ी ब्लॉक की मास्टर बुक कीपर कहती हैं कि इस प्रशिक्षण से उन्हें काफी फायदा हुआ है. उन्हें वृत पंजिका बनाने की पूरी जानकारी मिल गयी है. अब वे अपने गांव जाकर वृत पंजिका बनाना शुरू करेंगी. प्रशिक्षण के दौरान बतायी गयी बातों से उनका हौसला बढ़ा है और अब वो स्वयं रोजगार कर सकती हैं.

मास्टर बुक कीपर के प्रशिक्षण में शामिल दीदियां.

शबनम खातून
प्रखंड : बरवाडीह
जिला : लातेहार

ग्राम संगठन को मिला पावर ट्रीलर

लातेहार जिले के बरवाडीह प्रखंड के सरइडीह गांव में हरियाली आजीविका महिला संगठन की पावर ट्रीलर मशीन का उदघाटन किया गया. मौके पर करीब 30 सखी मंडल की महिलाएं शामिल हुईं. जेएसएलपीएस के द्वारा यह पावर ट्रीलर महिलाओं को दिया गया है. पावर ट्रीलर के साथ-साथ सात और मशीन ग्राम संगठन को दी गयी है. उदघाटन के दौरान सखी मंडल की दीदियों ने बताया कि यह मशीन तीन गांव के ग्रामीणों के लिये दी गयी है. मशीन की लागत छह लाख रुपये है. महिला समूह को मशीन के लिए एक लाख बीस हजार रुपये की राशि जमा करने के लिए कहा गया है. पावर ट्रीलर को चलाने के लिए सखी मंडल से जुड़े परिवार के सदस्यों को रखा जायेगा. इसे चलाने के लिए प्रशिक्षण भी दिया जायेगा. ट्रीलर मशीन को चलानेवाले मजदूर को छह हजार रुपये मासिक भुगतान किया जायेगा. मशीन से जो कमाई होगी, उस पैसे को संगठन के पीजी ग्रुप में रखा जायेगा. इस दौरान पीजी ग्रुप में जुड़ने वाली महिलाओं से 100 रुपये लिये जायेंगे और ट्रीलर मशीन का लाभ भी पीजी ग्रुप में शामिल परिवारों को दिया जायेगा. सखी मंडल की दीदी ने कहा कि अब खेत की जुताई करने के लिए 1000 की बजाय 500 रुपये लगेंगे और डीजल मोटर पंप के लिए पचास रुपये प्रति घंटे की दर से राशि ली जायेगी. गांव की दीदियों को श्रीविधि से आलू की खेती करने के लिए कहा गया है. पावर ट्रीलर मशीन को पाकर दीदियां काफी खुश हैं और कहती हैं कि अब उनके गांव में खेतों की जुताई सुचारू रूप से हो पायेगी.

पावर ट्रीलर मशीन के साथ सखी मंडल की दीदियां व अन्य महिलाएं.

सुशीला देवी
प्रखंड : तांतनगर
जिला : प सिंहभूम

प्रशिक्षण पाकर आत्मनिर्भर बनेंगी दीदियां

पश्चिमी सिंहभूम के तांतनगर प्रखंड के गंजिया गांव में सखी मंडल की दीदियों को तीन दिवसीय एम-3 का प्रशिक्षण दिया गया. कमजोर ग्राम संगठन की सदस्यों को प्रशिक्षण देकर उन्हें मजबूत किये जाने का प्रयास किया गया और सभी ग्राम संगठनों को अपने-अपने काम की जिम्मेदारी दी गयी. गंजिया सखी मंडल की दीदियों ने बताया कि प्रशिक्षण पाकर अब वे ग्राम संगठन से 40 से 50 हजार रुपये का लोन लेकर किसी व्यवसाय की शुरुआत करेंगे. इससे घर की माली हालत ठीक करने के बाद वो बच्चों को अच्छे स्कूल में पढ़ा सकती हैं. गंजिया आजीविका महिला संगठन की अध्यक्ष कहती हैं कि समूह से लोन लेकर दीदियां अगर बकरी पालन व सूकर पालन करेंगी, तो उन दीदियों को समूह से जल्द लोन मिल सकता है, साथ ही उन्होंने दीदियों को सही व्यवसाय में पूंजी लगाने की राय दी, ताकि पैसे बर्बाद न हों और उनका आर्थिक विकास हो सके. प्रशिक्षण में गंजिया ग्राम संगठन की महिलाएं काफी उत्साह के साथ शामिल हुईं और प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद आगे बढ़ने का संकल्प लिया.

तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल गंजिया सखी मंडल की दीदियां.

सुषमा देवी
प्रखंड : कांके
जिला : रांची

स्वच्छता अभियान में दीदियों ने निभायी अहम भागीदारी

रांची जिले के कांके प्रखंड के सुकरहट्टू दक्षिणी पंचायत में स्वच्छ भारत मिशन के तहत स्वच्छता अभियान चलाया गया. इस अभियान में सखी मंडल की दीदियों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया. दीदियों ने कहा कि रोजमर्रा की जिंदगी में स्वच्छता बहुत महत्वपूर्ण है. पंचायत सचिवालय परिसर से स्वच्छता अभियान की शुरुआत हुई. वहां से कूड़े-कचरे को साफ करते हुए सड़क और नालियों को भी साफ किया गया, साथ ही फिनाइल से भी सफाई की गयी. कूड़े-कचरे के निष्पादन के लिए उसे जलाया दिया गया. इस दौरान दुर्गा मंदिर में भी साफ-सफाई की गयी. साफ-सफाई करने के बाद पंचायत सचिवालय में स्वच्छता संबंधित एक बैठक आयोजित की गयी. बैठक को संबोधित करते हुए सखी मंडल की सक्रिय सदस्य रीता देवी ने कहा कि स्वास्थ्य ही मनुष्य का सबसे बड़ा धन है. स्वच्छता की शुरुआत अपने घर से करनी चाहिये. मनुष्य को स्वस्थ रहने के लिए उसे अपने घर और आस-पास में साफ-सफाई रखनी चाहिए. उन्होंने बताया कि हमेशा साफ पानी पीयें और समय-समय पर आस-पास के जलाशयों में ब्लीचिंग पाउडर डालना चाहिये. कूड़े-कचरे को कूड़ेदान में ही डालना चाहिये. ग्राम संगठन की अध्यक्ष कंचन रानी ने शौचालय के महत्व और उसकी उपयोगिता के बारे में लोगों को बताया, वहीं सुनीता देवी ने कहा कि नशा समाज के लिए बेहद खतरनाक है. 80 फीसदी घटनाएं नशे के कारण होती हैं. नशे के चलते सड़क हादसों में कई लोगों की जान चली जाती है. नशा का सेवन करने से लोग कई गंभीर बीमारियों का शिकार भी हो जाते हैं. स्वच्छता अभियान में ग्राम प्रधान, मुखिया, स्वयंसेवक समेत कई लोग मौजूद थे. स्वयंसेवक प्रभात भूषण ने कहा कि जेएसएलपीएस ने महिलाओं को रोजगार से जोड़ कर शिक्षा, स्वास्थ्य और सफाई के लिए प्रेरित किया है. पंचायत प्रतिनिधियों ने कहा कि स्वच्छता के प्रति पूर्व में इतनी महिलाओं की भागीदारी कभी नहीं देखी गयी थी. स्वच्छता अभियान में महिलाएं खास कर सखी मंडल की दीदियों का योगदान प्रशंसनीय है.

स्वछ भारत मिशन के तहत गांव की सड़कों को साफ करतीं दीदियां.